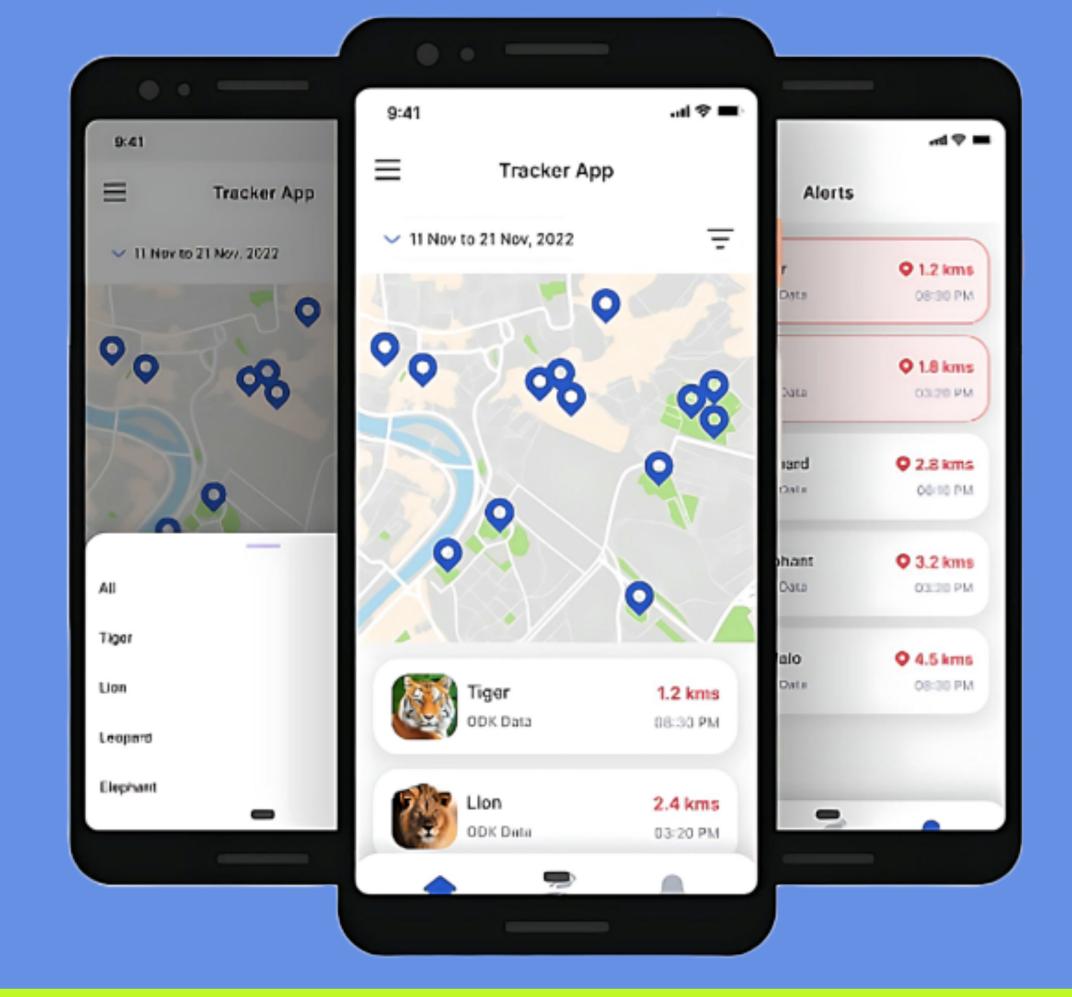
Mobile app and web based portal for wild animal tracking. Preventing animal & human conflict by automated call, sms, notification & WhatsApp alert.



Wildlife Animal Tracker and Alert System

INTRODUCTION

Kalpvaig, a registered trademark of Parardham Information Technology LLP was founded in 2017.

At Kalpvaig, we specialize in developing custom software, mobile apps, and web portals that are tailored to meet the unique needs of our clients.

We are proud to follow the CMM Level 2 standard, which includes documenting all codes and test cases for each project.

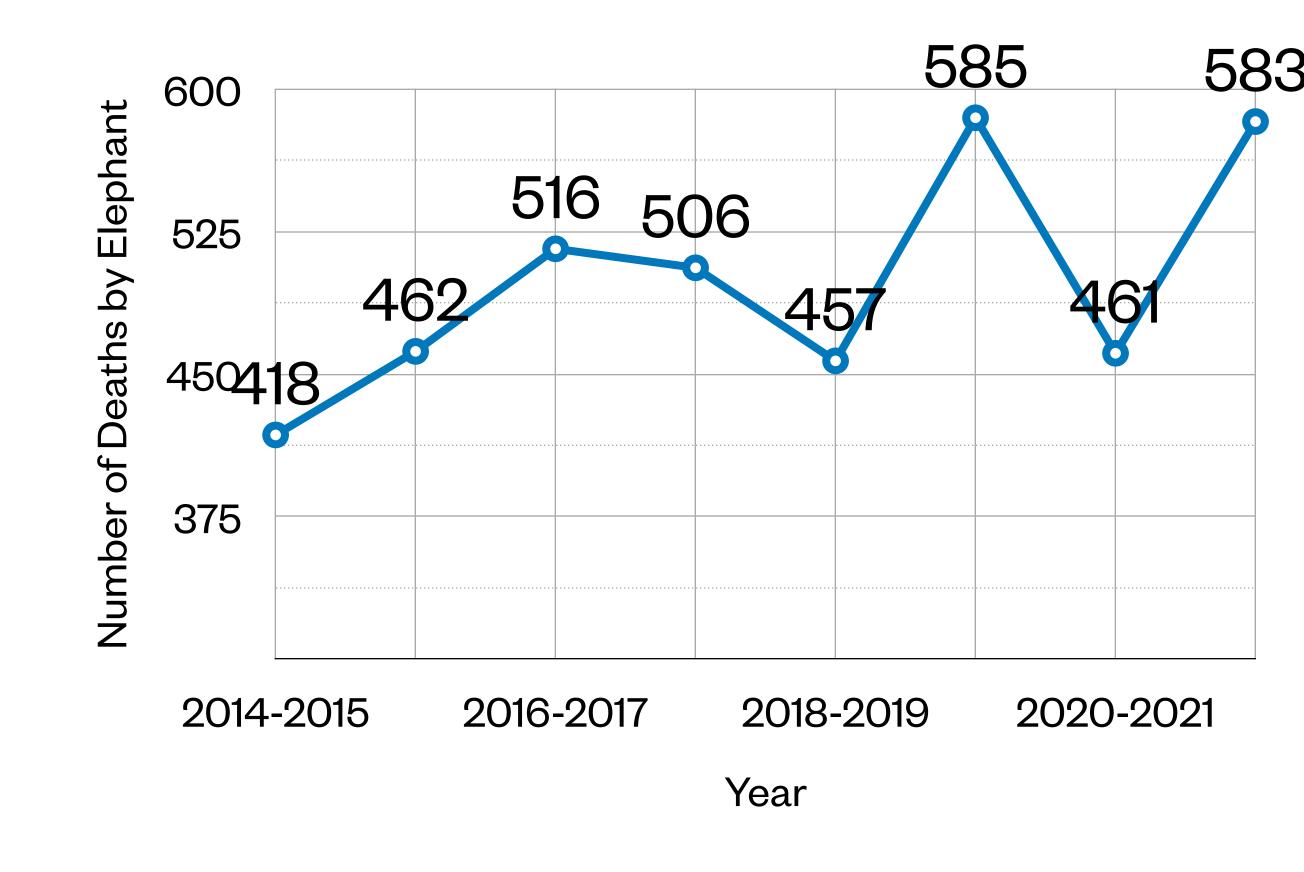
We also have a dedicated learning team that is passionate about promoting open-source technologies and growing the community.



PROBLEM (WHY ANIMAL TRACKER AND ALERT APP)

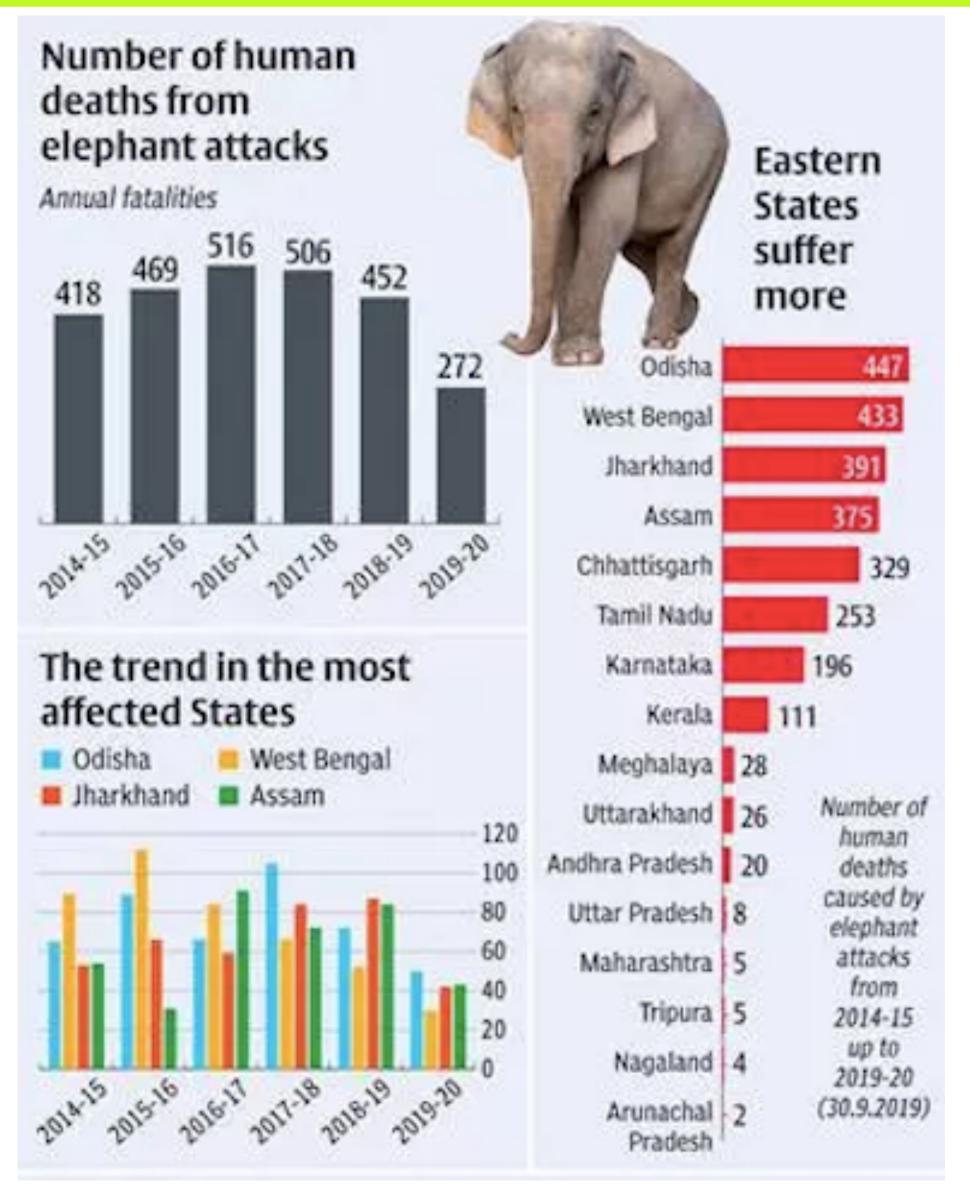
According to the RTI response, a copy of which is with indianexpress.com, from year 2014-2022, Odisha recorded **719 human** deaths, which is the highest among all states, owing to elephant attacks during this period. In West Bengal, **643** people died due to wild elephant attacks. The other states which recorded a high number of human casualties were Jharkhand (**640**), Assam (**561**), Chhattisgarh (**477**), Tamil Nadu (**371**) and Karnataka (**252**).

Additionally, forest fires are a common problem in the region. According to the the Forest Survey of India website, there are 337 large active forest fires in the country as of March 14.



OTHER ISSUES

- No monitoring and tracking of wildlife populations, their movement patterns, and habitat use.
- No easy and fast way to report issues related to Illegal poaching and logging.
- No easy way of disease outbreak tracking.
- It is not possible to effectively communicate warnings or any other form of communication within areas of conflict between humans and animals.
- There is currently no straightforward method for searching and sorting large amounts of data related to forest animals or forest-related issues. Additionally, there is no centralized platform available to officials that allows them to access and review all relevant data of their regions.





GOV EXPENSES

KERALA:-

In 2021-22, Rs 13 crore was spent to provide compensation for crop, property, cattle and human loss in the man-animal conflicts.

UTTARAKHAND:-

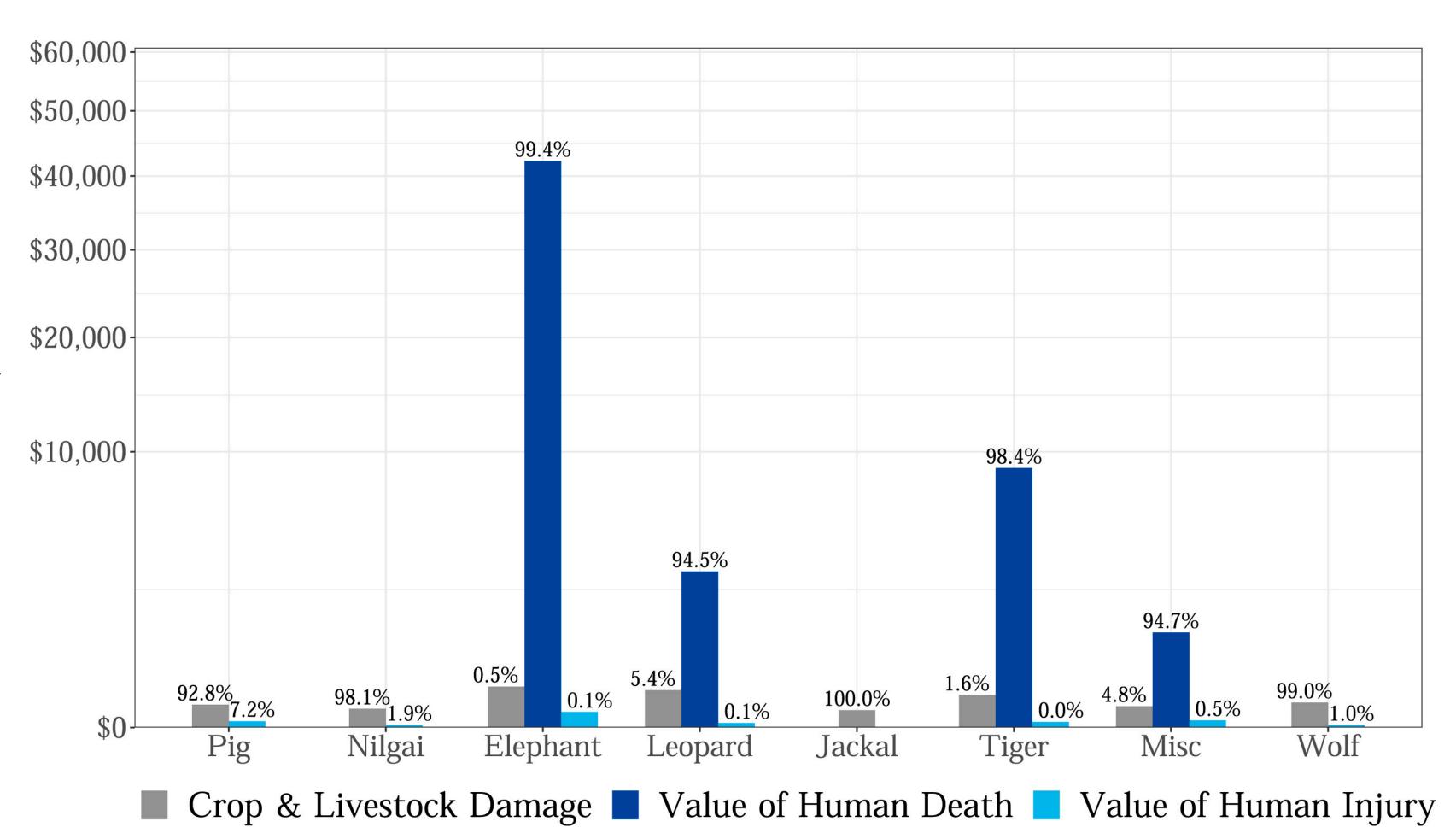
A corpus fund of Rs 2 crore will be created for giving compensation to the victims of man-animal conflicts, the government said.

- Dec 2022

MAHARASTRA:-

Man-animal conflict costs Rs 450 cr over past 10 years. April 2023

More than 1000 cr has been spent on man-animal conflict in India over past 10 years.



SOLUTION

Animal Track & Alert App

• Kalpvaig is proud to present our latest innovation in wildlife safety technology: the Animal Tracker App. Our app is specifically designed to help forest rangers and officials track the movements of wild animals in the Chattisgarh forest area, and automatically alert nearby residents of their whereabouts. The app also has a feature to notify users about nearby "FOREST FIRE" ensuring they can take necessary precautions.



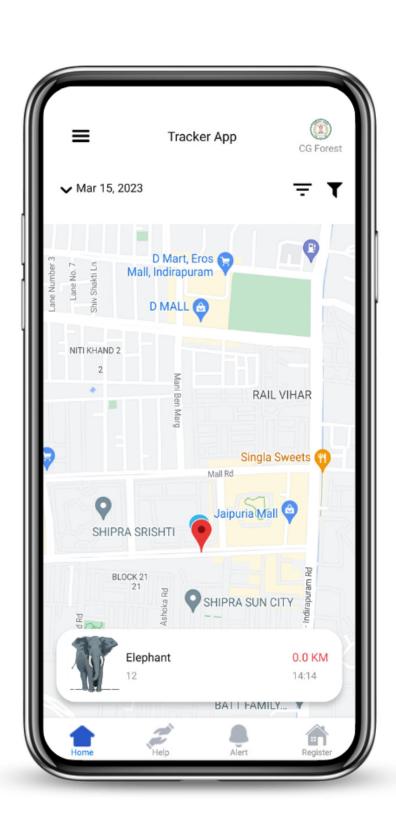
ANIMAL TRACKER

Realtime Wild Animal Tracker

Realtime Call, SMS and WhatsApp warning About Wild Animal Whereabouts in Your Area

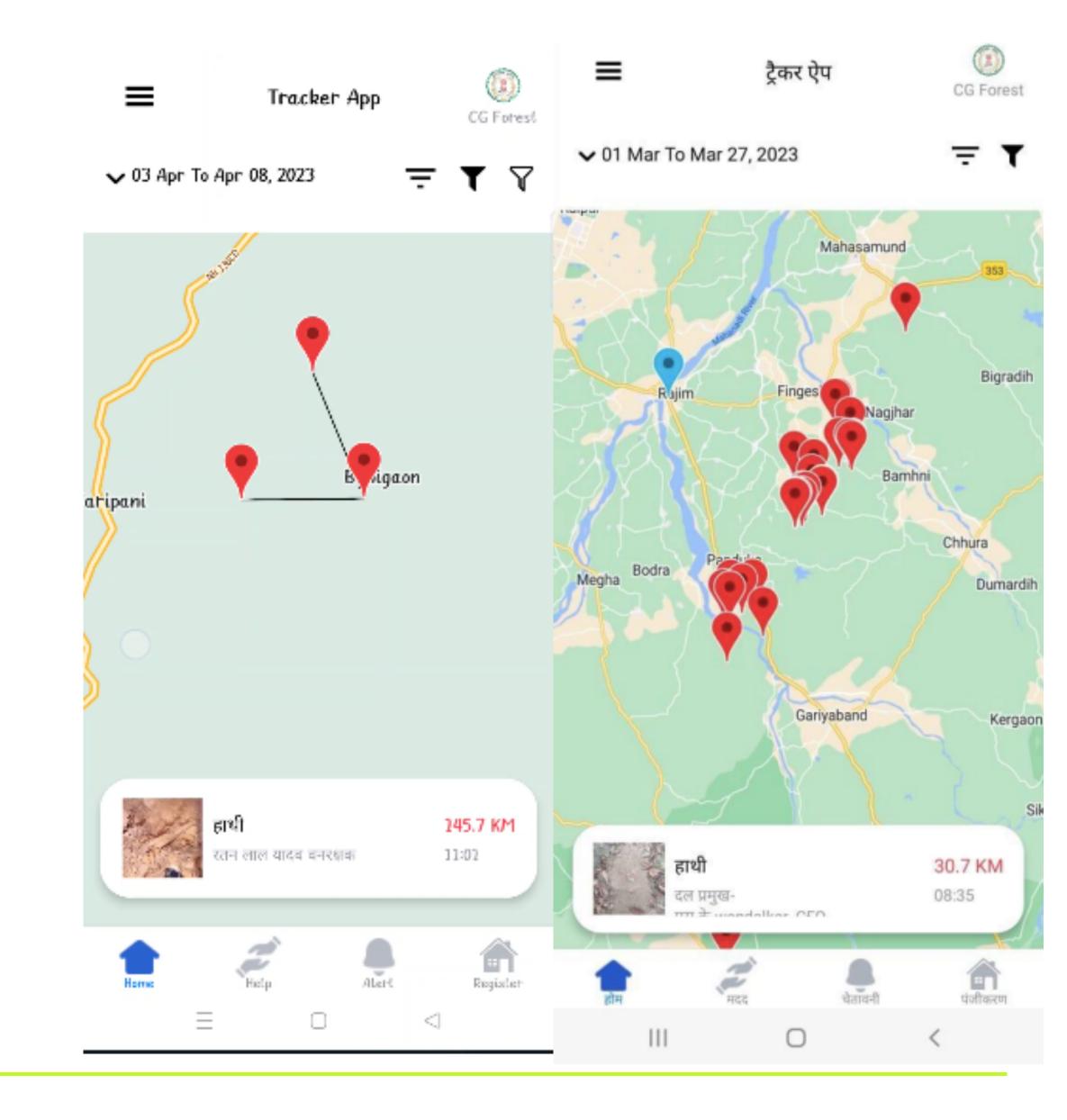


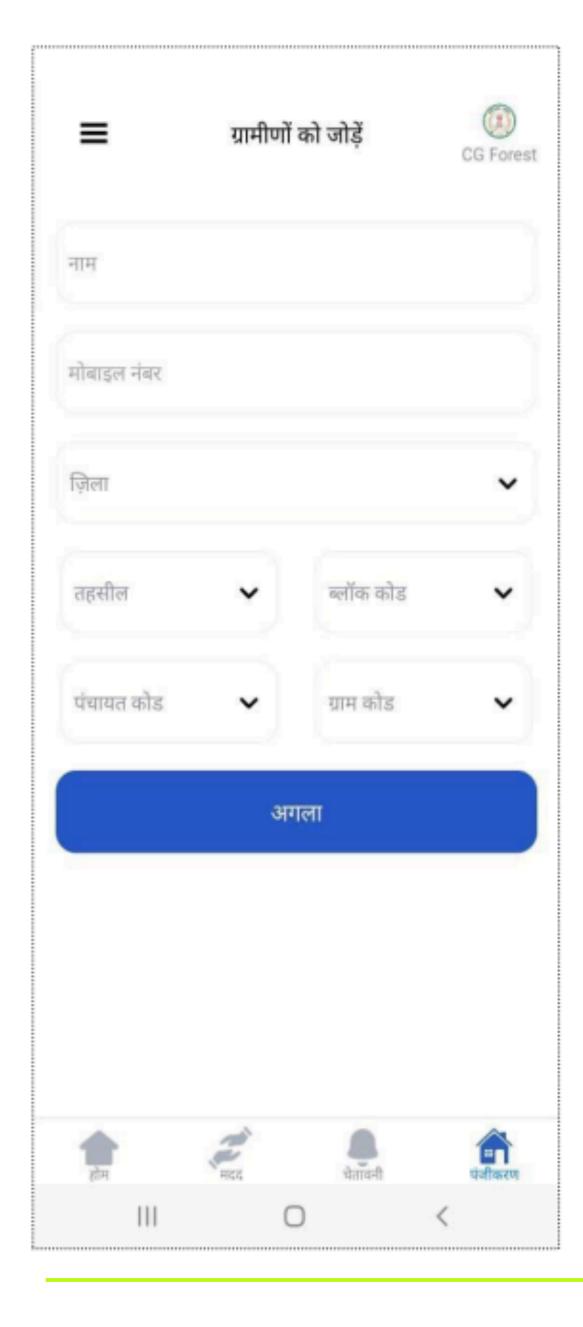




FEATURES

- Real-Time Animal Tracking
- Historical Animal Location Tracking
- 24*7 Alert/Warning
- Incident Reporting
- Multilingual Support
- User Addition & Management
- Forest Fire alert to officials and quick action team









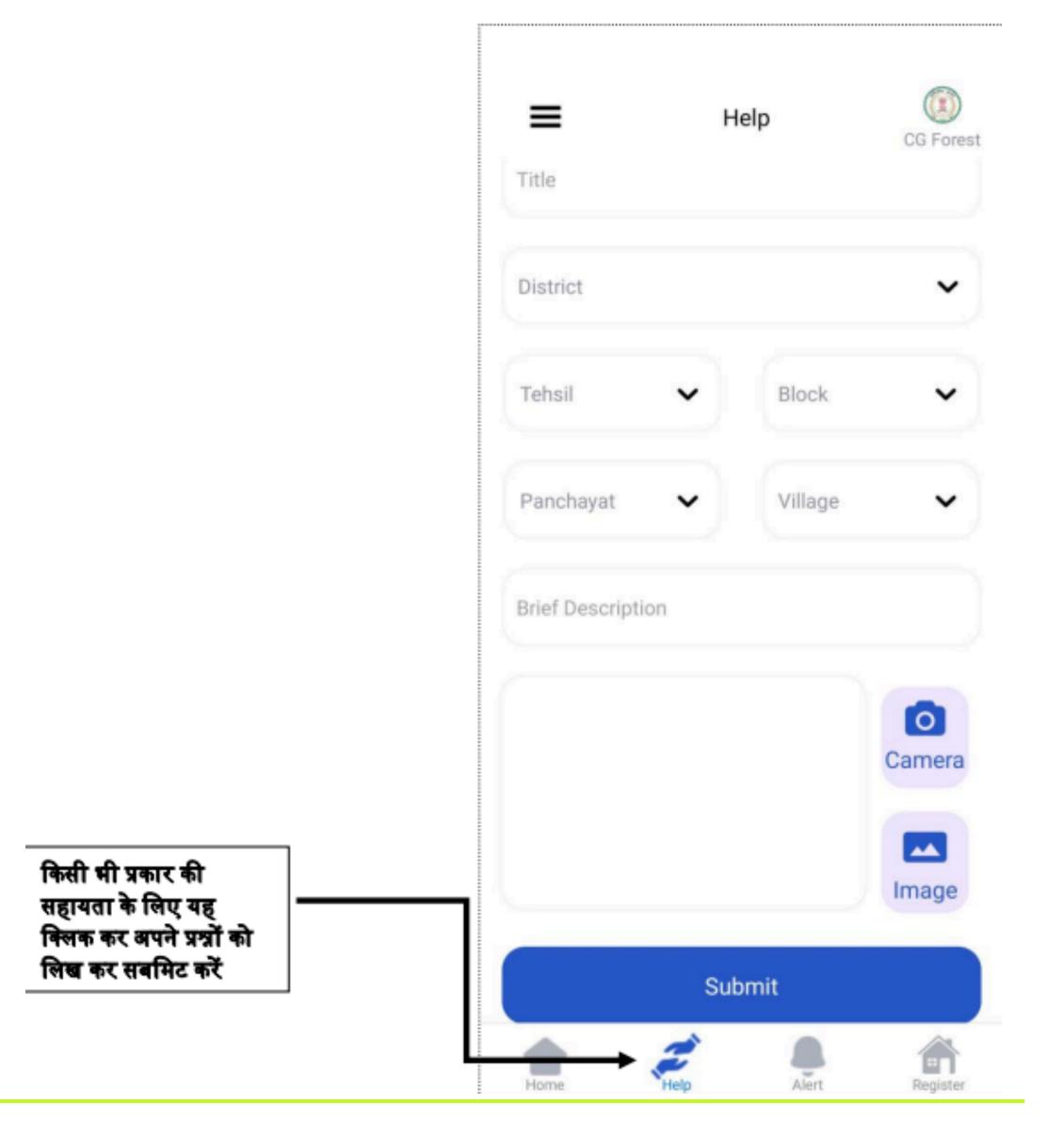
Lot of Lives can be saved

By working together and utilizing our app, we have the power to significantly reduce the conflict between humans and animals.

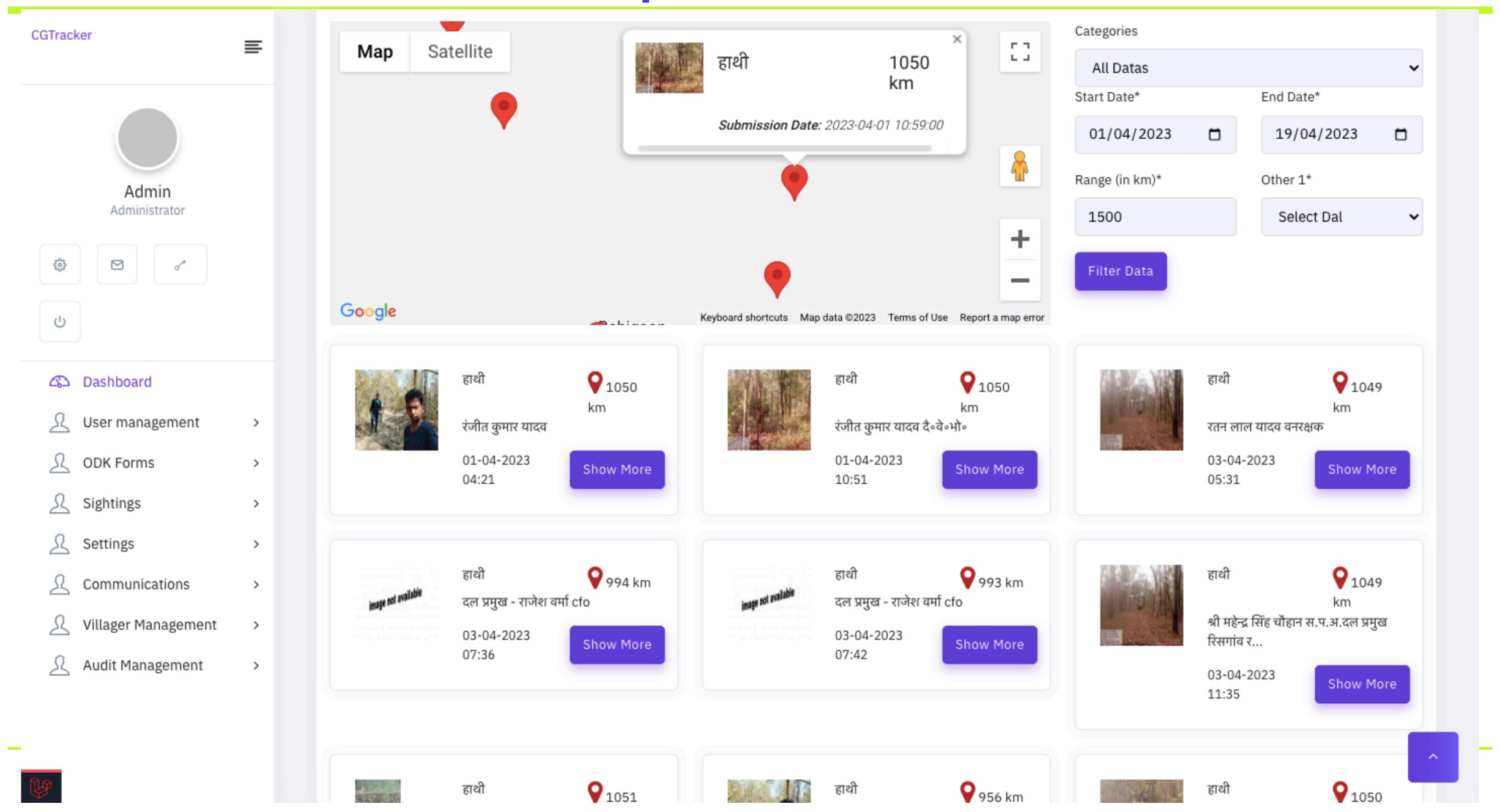
With our combined efforts, we can save the lives of hundreds of people and animals.

Additionally, we can protect our planet by ensuring the safety of our forests, safeguarding them from the dangers of loggers, poachers, and natural causes like animal diseases or different soil issues.

Our actions today can have a profound impact on the future of our planet, and it all begins with coming together and taking action.



Dashboard/portal for Officers



FUTURE UPDATES

ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND IOT INTEGRATION INTO OUR APP

Our company is proud to announce that we are taking steps to integrate our application and software with artificial intelligence in order to predict the movements and situations of wild animals. By doing so, we hope to enable officials to take necessary action in a timely manner, thereby reducing the risk of harm to both animals and humans.

One of the key benefits of this integration is that it allows us to identify any serious diseases that may have spread among animal populations. By providing this information to officials, we can help prevent the further spread of disease and potentially save countless lives.

- Our company is developing a IOT based sirent that will be installed on a village level to help mitigate the risk of wild animal encounters.
- The siren will be designed to automatically trigger if any wild animals are detected in the vicinity, providing an early warning system for nearby residents. Our goal is to create a product that not only reduces the risk of harm to humans, but also helps to protect wild animals by promoting safe coexistence.
- By providing this valuable technology to rural areas, we hope to create a safer and more sustainable environment for both humans and wildlife.

NEWSPAPER/ARTICLE

रायपुर 29-03-2023

एलीफेंट अलर्ट एपः कभी घर के सामने तो कभी खेतों में ही घेर लेते हैं हाथी कार्य के सामने तो कार्य से पहला के स, 61 की उम्र में पहला के स, 61 की उम्र में पहला के स, 61 की उम्र में पहला सजा अब २० किमी दूर से ही पता चल जाएगी झुंड या अकेले हाथी की लोकेशन अतीक को उम्रकैद; फैसला जानिए, २ तरीकों से इस तरह काम करेगा ये एलीफैंट एप

वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साथ जानवरों की सुरक्षा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन को लॉन्च करने से पहले वाइल्ड लाइफ रायपुर के अफसर प्रदेश के 3 जिले धमतरी. महासमंद, गरियाबंद जिले के अलावा

इलाके के कालामांजन पहाड़ पर दो लोगों को मारने वाली

बाधिन को मंगलवार को 24 घंटे बाद ट्रिंक्विलाइजर गन

से बेहोश कर पकड़ लिया

स बक्षश कर पकड़ लिया गया। पुबह कानन पेंडारी बिलासपुर से बुलाई गई विशेष टीम की अगुवाई में रेस्क्यू शुरू हुआ और घंटों मशक्कत के बाद कुमकी हाथी और एक्सीवेटर पर सवार होकर टीम मोर्च को

पर पहुंची और बाधिन को

20 मारवन डालर बाना कराव 16-4.32 करोड़ रूफा की घड़ी ऐश की। इस घड़ी को 10 कारीगरों की टीम ने साह तीन साल में बनाया। स्टूज ब्रीफ अपन अपन अपन अपन कराव स्ट्राज ब्रीफ

नई दिल्ली। सरकार ने पैन-आधार को लिंक करने की शुरू कर दिया गया। रेस्क्यू डेडलाइन 31 मार्च से बढ़ाकर दल में शामिल डॉ. सीके

ट्रेंक्यूलाइज किया। झाड़ियों के पीछे जाकर बाघिन बेहोश

लिए बाघिन पर टांगी से वार किया था, जिससे उसके

सिर और आसपास 5 जग

घड़ी बनाने वाली एक कंपनी ने पीले हीरे और सोने से बनी

न्यूज ब्रीफ

तक लिंक करा सकेंगे

net . ध्यमनवगढ़ व बातरावा पर में यथन कल रहा है। इसके जिए 20 किमी के दायरे में मीजूद इस एप से जुड़े सभी को अलट मैसेज मिलेगा। एलीफेट अलटे एप से प्रदेश और 2020 से 2023 तक 56 हाथियों की मीत हो चुकी है। का अन्दर मसजा मिलागा (जागर अन्दर पूप से प्रदश् के 15 जिलों के करीब 10 हजार लोगों को जोड़ने की एलानिंग हैं। सीतानदी-उदती टाइगर रिजर्ज के उपनिरक्त करण जैन ने बताया कि <u>इस एप का एमाले मुख्यमंत्री</u> मूफो बक्तेल मुक्तेल में कंप्री) प्रदेशभर में इस समय करीब 250 हाथी अलग-अलग जिले में विचरण कर रहे हैं।

नहीं है, तो ऑफलाइन मोड पर काम करेगा। इसके बाद नेटवर्क पकड़ते ही

पहला- ओपन सोर्स (ओडीके कलेंक्टर) हाथी मित्र दल की ओर से एलीकेशन में हाथी सित्र अन्य जानवरों का लोकेशन के साथ परेटो सिक्सर करेंगे, जो सुर्वर में अपलोड होगा। नेटकर्क उन्हें बताया जाएगा कि हिंसक हाथी आपके एरिया से कितना दूर पर मौजूद है। सीतानदी-उदंती अभयारण्य के गांवों

करागा इसके बाद नेटवर्क फकड़त ही सुरंत सर्वर तक फोटो पहुंच जाएगी। ये में ग्रामीण, सर्पंच-उपसर्पंच, कोटवार पर इन 15 जिलों भ्रमतरी, गरियाबंद, बालोद, बलोताबार, परसम्पंद, सरगुवा, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर, मुंगली, सुरवपुर, अधिकापुर, कोरबा, जशपुर और बलरामपुर में लॉन्च होगा। जशपुर और बलरामपुर में लॉन्च होगा।

लोकसभा सचिवालय को भेजा जावाब **डांगला खाली करेंगे राहुल गांधी, कहा – नोटिस का पालन करुंगा** भरूकर न्यूगा नई दिल्ली कांग्रेस नेता याहुल गांधी ने मंगल्लवार को लोकसभा सचिवालय के अपने आध्कितिक बंगल को खाली करने के नोटिस का जाबाब दिया। राहुल ने कहा कि बह बंगला खाली करने के नेतिस मा जान प्रालन करोंगे। बह बंगला खाली करने के नेतिश में रस्कार पर उन्हें केता है हुए या कर हो स्थान पर क्या का स्थान करों है। अतीक पांच बार विश्वासक और सांसद रहा है। मायावाती सरकार के दीरान दर्ज 132 केस हाई कोर्ट में दर कर दिए था अतीक के क्या केस क्या के में स्थान वा चुका करने के नोटिस का जाबाब दिया। राहुल पांचल पर पर कर है। इस हिंदी भाग मा उन्हें कर किता ने मानवार स्थान पर पर कर है। इस हिंदी का जावा के स्थान पर पहला कोर के नोटिस का जाबाब दिया। राहुल पर कर हो। अतीक के प्या केस कि स्थान के स्थान से स्थान है। इस हिंदी का 10 जानों ने सुमार्व से इनकार है से देवा हुए आप अतीक के का केस कि स्थान के स्थान से स्थान के कि स्थान के स्थान से स्थान है। केस दर्ज कहा आप। अतीक को वांस कर है। सुगीम कोर्ट दखल नहीं देवा खालां केस दर्ज किस स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के साल को स्थान कर हो। स्थान कर हो। सुगीम कोर्ट दखल नहीं देवा खालां केस दान के सिंदी मा का है। स्थाप का जा सहार है। स्थाप का जा सहार है। स्थाप का जा सहार है। स्थाप का स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान का स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान का स्थान के स्थान के स्थान का स्थान के स्थान के स्थान का स्थान के स्थान का स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान का स्थान के स्थान के स्थान का स्थान के स्थान का स्थान के स्थान का स्थान के स्थान का स्थान के स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान के स्थान के स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान का स्थान के स्थान का स्थान के स्थान का स्था का स्थान क आंसू पोछते भी देखा गया। अतीक को वापस सरकार की हैं। सुप्रीम कोर्ट दखल नहीं

क्षेत्रे की कारीगरी और... सूरजपुरः दो लोगों को मारने वाली बाधिन को गन से बेहोश लोकसभा सचिवालय को भेजा जवाब कर पिंजड़े में डाला, उसके सिर पर मिले टंगिया के 5 घाव

कुतों को खाना देने का स्थान सुनिश्चित करना जरूरी 🛮 समुद्र से आ रही नमी के कारण बदलने लगा मौसम 🔻 🙀 🛱 सुनक के पीएम बनने से नस्लवादी अंग्रेज खिन्न आवारा कुत्तों के साथ क्रूरता और नफरत बस्तर में कई जुगहों पर हल्की बारिश के ऋषिकाल; फिर भी भारतीयों पर

चैंद्रजीपीटी की मदद ली चंबीगढ़। देश में संभवत पहली बार अदालत ने बैटजीपीटी की मदद ली है। पंजाब एंड संत्रपण हाई कोट हत्या के मामल में आरोप की जामात अजी पर सोम के लोगों का स्वीजार हो जो के सामा ते के साथ कूरता और नफरत के व्यवहार से हैं अहा यांकिक पर सुमाई कर रही थी। जिंदरस अनुए पित्रकारों ने इसे होने कहा है कि आवार कुतों है। इसमें सोसाइटी में रह रहे एक को सभ्य समाज के लोगों का स्वीजारों लेने की मंशा से एआई चैटबोट को सहरा लिखा। और आएत लड़ा को ऐसा कोई स्थान रिए जाने की मांग को देश मान पर प्राची के अवार है के स्वान देश के साथ महत्व के सा

पारसर म कई आवार कुना आर ावल्टका सासहाटी को कहना है कि खाना देन स को देवभाव करने वाले कहींनों और जजी तमाम आवारा कुन्ते सोसाइटी में आते हैं। का उदाहरण दिया। पीठ ने एक हाउसिंग सोसाइटी को आवारा कुन्ते के लिए खाना देने का स्थान पुनिष्कत करने का बुक्ताव क्या आपने बिल्लियों को संख्या देखी है... देन का स्थान पुनिष्कत करने का बुक्ताव क्या आपने बिल्लियों की संख्या देखी है... दिया। जस्टिस कुन्तकर्णी ने कहा, "हाई" वे कभी-कभी प्लेटफॉर्म पर बैठी होती हैं। कटेकल्याम में 18.2 मिमी बारिश हुईं। दस मिमी बारिश हुईं।

विनायां करन वाल राजस्थान क बजट पूभा हमारा हमा। उन्हें कर समेत दूसरे मदों से धन लेने के साथ कर्ज कुनान के लिए पी कर्ज लेना पड़ेगा। इससे पूंजीगत व्यवस्थान के स्वार के मुकाने के लिए पी कर्ज लेना पड़ेगा। इससे पूंजीगत व्यवस्थान के स्वार के मुकान के लिए पी कर्ज लेना पड़ेगा। इससे पूंजीगत व्यवस्थान के स्वार के मुकान के लिए पी कर्ज लेना पड़ेगा। इससे पूंजीगत व्यवस्थान के स्वार के मुकान के लिए पी कर्ज लेना पड़ेगा। इससे पूंजीगत व्यवस्थान के स्वार का मुकान के लिए पी कर्ज लेना पड़ेगा। इससे पूंजीगत व्यवस्थान के स्वार का उत्तर प्रदेश की वास पड़ेगा। विनास के दूसरे काम प्रभावित होंगा। विनास के दूसरे काम प्रभावित होंगा। विनास के क्या व्यवस्थान के स्वर्ध के क्या विनायां के स्वर्ध के किए प्रभाव के किए प्रम के किए प्रभाव के किए प्रभाव के किए प्रभाव के किए प्रभाव के किए

भास्कर Analysis • मध्यप्रदेश और राजस्थान समेत १० बड़े राज्यों के बजट, कर्ज व खर्च की स्टडी

कर्ज की 'राज'नीतिः छत्तीसगढ़ व बिहार को छोड़ ८ बड़े राज्यों पर बजट से ज्यादा कर्ज, राजस्थान पर बजट से दोगुना कर्ज, फिर भी शिक्षा और सेहत पर खर्च में टॉप



ब्याज का बोझ; पंजाब-हरियाणा टॉप-3 में शामिल <mark>कृषि</mark>; किसान आंदोलन वाले राज्य खर्च में पीछे

स्वनवीस सहते हैं - के में डूबे राज्यों के लिए अपने सवनवीस सहते हैं - के में डूबे राज्यों के लिए अपने बन्धिय (2.25) हैसरे, पंजाब (11.22%) तीसरे व महाराष्ट्र (11.19%) जीचे परा अग्ने के समित दूसरे महों से धन लेने के साथ कर्ज

सुनते ही गश खाकर गिरा

भास्कर न्यूज लखनऊ/प्रयागराज सुरक्षा मांगने का मामला प्रयागराज की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने माफिय से नेता कने अतीक अहमद को सभ्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 2006 के उमेश पाल अपरलण मामाले का तेवी दखल नहीं देंगे : सपीम कोर्ट

दखल नहीं देंगे : सुप्रीम कोर्ट 2006 के उमरा पार अरहरण नामरत का दांषा करार देते हुए अतीक के कबित जान सीलत का स्वाप्त करार देते हुए अतीक के किए जान का सीलत मार के भी उम्रेक्ट की सजा हुएका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गहत देने सुनाई। तीनों पर 1-1 लाख रक्ता हुएका होते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गहत देने से इनकार कर दिया है। आरा 364-ए के तहत प्रीट ने अतीक की वह याचिका मंगलवार अरहरण और अपहरण की आर्की का कर दी, जिसमें उसने जान का साजिज रचने की यह अधिकतम सजा है। कोर्ट है। धारा 364-ए के तहत अपहरण और अपहरण की साजिश रचने की यह अधिकतम सजा है। कोर्ट ने अतीक के भाई खालिंद अजीम और 6 अन्य सुनने पर अतीक कोर्ट में गश खाकर गिर पडा।

करम की आलोकना की है। लोकसभा सचिवालय को भेजे पत्र में राहुल गांधी ने लिखा- 'मेरे आवाय को रह करने के संबंध में आपके 27 मार्च 2023 के पत्र के लिए धन्यादा लोकसभा के लिए चार बार निर्वाचित सदस्य के रूप में यहां विताए समय की सुखद यादों के लिए एक्सानमंद हूं।' गौरतलब है कि मानहानि मामले में सुरत की कोटे द्वारा में स्वाच का स्वाच मामले में सुरत की कोटे द्वारा राखाः प्राचनिक प्रभाव स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्व

यूक्रेन से लौटे छात्रों को एमबीबीएस फाइनल ईपीएफओ ने ब्याज दर् 0.05% विलयर करने का एक ही मौका दिया जाएगा बढ़ाई, 8.15% ब्याज मिलेगा

जातार, जाजा रहग गरज-वमक क हालात क्षेत्री वर्षे कुतों को खाना रोक रही सोसाइटी जातार, जाजा रहग गरज-वमक के हावा की संभावना किस्ता ने किस होने 1 हजार हेट क्राइम बढ़े



्रवंत कहरपंथियों का मतः ब्रिटिश मेहम्मद अली होने के लिए श्वेत होना जरूरी है

ब्रिटेन में भारतीयों के बढ़ते दबदबे से अवानना बनन के बाद से नरस्तेवार सम्पर्क अंग्रेग गुर्जे का माना है कि फहरे से ही रुजबा जमा चुके भारतीय और मजबूज के रहें ! इससे भारतीय के खिलाफ हेट क्रव्यम बहु खा है।

के पीएम बनने से पहले यानी मार्च 2022 से अब्दूबर 2022 में भारतीयों के बिलाफ आज समित्र में के हिस्स बड़ा कारण कंजरबेटिव पार्टी की ओर से प्रेति में के हिस्स के 32,789 मापले यानी हर महीने लगभग चार हजार मामले खु जबकि अनुक के पीएम बनने के बाद अब्दूबर 2022 से मार्च 2023 तक के पीच महीनों में 25,768 मापले खुए जानी हर महीने पांच हजार मामले खुए। वैसे ब्रिटेन में नस्लीम समुतायों के खिलाफ हेट काइम के बार अब्दूबर 2023 से मार्च 2023 तक के पीच महीनों में 25,768 मापले खुए जानी हर महीने पांच हजार मामले खुए। वैसे ब्रिटेन में नस्लीम समुतायों के खिलाफ हेट काइम के मामणे खुए की पांच के उत्तर जा उन्हों के आप स्वाधिक करते हैं। ते के कारण प्रवाधिक के कारण प्रवधिक के कारण प्रवाधिक के कारण के क



भोपाल 29-03-2023



छत्तीसगढ़ के 15 जिलों के 10 हजार लोग जुड़ेंगे छत्तीसगढ के 15 जिलों के 10 हजार लोग जुड़ेंगे

ही हाथियों की लोकेशन बताएगा

छत्तीसगढ में पहली बार एलीफैंट अलर्ट एप लॉन्च होने वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साथ जानवरों की सरक्षा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन को लॉन्च करने से पहले वाइल्ड लाइफ रायपुर के सीतानदी-उदंती टाइगर रिजर्ब के इसके बरिए 20 किमी के दावर में <u>करोंगे।</u> प्रदेशभर में इस समय अफसर प्रदेश के 3 जिले धमतरी, उपनिदेशक वरूण जैन ने बताया कि में मैजूद इस एप से जुड़े सभी के करीब 250 हाथी अलग-अलग महासमुंद, गरियाबंद जिले के अलावा इस एप का शुभारंभ मुख्यमंत्री अलग-अलग एलीफेंट जिले में विचरण कर रहे हैं। इस एप

निगरानी भी होगी।



धरमजयगढ़ व बारनवापारा में ट्रायल भूपेश बघेल अप्रैल में करेंगे। अलर्ट एप से प्रदेश के 15 जिलों के में हाथी के अलावा तेंदुआ, भालू चल रहा है। इसके जरिए 20 किमी के प्रदेशभर में इस समय करीब 250 स्वानिंग है। सीतानदी-उदंती टाइगर जानवरों की निगरानी भी होगी। दायरे में मौजूद इस एप से जुड़े सभी हाथी अलग-अलग जिले में विचरण को अलर्ट मैसेज मिलेगा। एलीफैंट कर रहे हैं। इस एप में हाथी के अलर्ट एप से प्रदेश के 15 जिलों के अलावा तेंद्रआ, भाल, जंगली भैंसा, करीब 10 हजार लोगों को जोड़ने की भोर, हिरण सहित अन्य जानवरों की



चंडीगढ़ सिटी 29-03-2023

छत्तीसगढ़ के 15 जिलों के 10 हजार लोग जुड़ेंगे

एलीफैंट अलर्ट एप 20 किमी दूर से ही हाथियों की लोकेशन बताएँगा

छत्तीसगढ़ में पहली बार एलीफेंट अलर्ट एप लॉन्च होने वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साध जानवरों की सरक्षा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन को लॉन्च करने से पहले के अलावा धरमजयगढ़ व बारनवापारा में शुभारंभ मुख्यमंत्री भूपेश बधेल अग्रैल ट्रायल चल रहा है। इसके जरिए 20 किमी में करेंगे। प्रदेशभर में इस समय करीब 250 के दायरे में मौजूद इस एप से जुड़े सभी हाथी अलग-अलग जिले में विचरण कर को अलर्ट मैसेज मिलेगा। एलीफैंट अलर्ट रहे हैं। इस एप में हाथी के अलावा तेंदुआ,



वाइल्ड लाइफ रायपुर के अफसर प्रदेश के सीतानदी-उदंती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक 3 जिले धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद जिले वरूण जैन ने बताया कि <u>इस एप का</u> एप से प्रदेश के 15 जिलों के करीब 10 भालू, जंगली भैंसा, मोर, हिरण सहित अन्य हजार लोगों को जोड़ने की प्लानिंग है। जानवरों की निगरानी भी होगी।



नई दिल्ली 29-03-2023

20 किमी दूर से ही एलीफैंट अलर्ट एप हाथियों की लोकेशन बताएगा

अजय देवांगन धमतरी

छत्तीसगढ़ में पहली बार एलीफैंट अलर्ट एप लॉन्च करने से पहले वाइल्ड लाइफ रायपुर के अफसर होने वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साथ जानवरों प्रदेश के 3 जिले धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद जिले की सुरक्षा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन को लॉन्च रहा है। इसके जिए 20 किमी के दायरे में मौजूद इस करने से पहले वाइल्ड लाइफ रायपुर के अफसर प्रदेश एप से जुड़े सभी को अलर्ट मैसेज मिलेगा। एलीफैंट के तीन जिले धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद जिले के अलर्ट एप से प्रदेश के 15 जिलों के करीब 10 अलावा धरमजयगढ़ व बारनवापारा में ट्रायल चल रहा हजार लोगों को जोड़ने की प्लानिंग है। सीतानदी-है। इसके जरिए 20 किमी के दायरे में मौजूद इस एप उदंती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन से जुड़े सभी को अलर्ट मैसेज मिलेगा। एलीफैंट अलर्ट ने बताया कि इस एप का शुभारंभ मुख्यमंत्री एप से प्रदेश के 15 जिलों के करीब 10 हजार लोगों को भूपेश बघेल अप्रैल में करेंगे। प्रदेशभर में इस जोड़ने की प्लानिंग है। एप का शुभारंभ मुख्यमंत्री भूपेश विचरण कर रहे हैं। इस एप में हाथी के अलावा बघेल अप्रैल में करेंगे। प्रदेशभर में इस समय करीब तेंदुआ, भालू, जंगली भैंसा, मोर, हिरण सहित अन्य 250 हाथी अलग-अलग जिले में विचरण कर रहे हैं। जानवरों की निगरानी भी होगी।

एलीफैंट अलर्ट एप २० किमी दूर से एलीफैंट अलर्ट एप 20 किमी दूर से ही हाथियों की लोकेशन बताएगा

धरमजयगढ़ व बारनवापारा में ट्रायल बताया कि इस एप का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ में पहली बार एलीफैंट अलर्ट एप लॉन्च होने वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साथ जानवरों की सरक्षा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन को लॉन्च करने से पहले बाइल्ड लाइफ रायपुर के अफसर प्रदेश के 3 जिले धमतरी. महासमुंद, गरियाबंद जिले के अलावा रिजर्ब के उपनिदेशक वरूण जैन ने



सुधियाना 29-03-2023

छत्तीसगढ़ के 15 जिलों के 10 हजार लोग जुड़ेंगे एलीफैंट अलर्ट एप २० किमी दूर से ही हाथियों की लोकेशन बताएगा

अजय देवांगन | धमतरी

छत्तीसगढ़ में पहली बार एलीफेंट अलर्ट एप लॉन्च होने वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साथ जानवरों की मुखा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन प्लानिंग है। सीतानदी-उदंती टाइग को लॉन्च करने से पहले वाइल्ड लाइफ रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन ने रायपुर के अफसर प्रदेश के 3 जिले बताया कि **इस एप का शुभार** धमतरी, महासमुद, गरियाबंद जिले के <u>मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अग्रैल में</u> अलावा धरमजयगढ़ व बारनवापारा में <u>करेंगे।</u> प्रदेशभर में इस समय करीव

ट्राक्त चल रहा है। इसके जरिए 20 किमी के दायरे में मौजूद इस एप से जुड़े सभी को अल्ट मैसेज मिलेगा। एलीफेंट अलावा तेंदुआ, भालू, जंगली भैसा, अन्तर्रं एप से प्रदेश के 15 जिलों के मोर. हिरण सहित अन्य जानवरों की करीब 10 हजार लोगों को जोड़ने की निगरानी भी होगी।



पानीपत 29-03-2023

छत्तीसगढ़ः १५ जिलों के १० हजार लोग जुड़ेंगे 20 किमी दूर से ही एलीफेंट अलर्ट एप हाथियों की लोकेशन बताएगा



छत्तीसगढ़ में पहली बार एलीफेंट अलर्ट एप लॉन्च होने वाला है। यह एप जनहानि रोकने के साथ जानवरों की सुरक्षा पर काम करेगा। इस एप्लीकेशन को लॉन्च समय करीब 250 हाथी अलग-अलग जिले में

CONCLUSION

Kalpvaig app provides real-time information about wild animal movements, enabling people to avoid dangerous encounters. The forest fire notification call and SMS will further help people to take necessary precautions during a forest fire outbreak. Quick response team can handle the forest fire at earliest and can save animal, forest and people.

Our app is a significant step towards ensuring the safety of people and animal living in forest areas and reducing human-wildlife conflicts. The app is an innovative solution that leverages technology to provide critical information to people in real-time.

We believe that our efforts in this area will not only have a positive impact on wildlife and the environment, but will also benefit society as a whole. Thank you for considering our solution, and we look forward to the opportunity to work with you.

Call/WhatsApp :- +91-8318186339

Email:- akshay@kalpvaig.com

Website:- Https://www.kalpvaig.com

